

(ख) यदि हा, तो उत्पादन में हुई इस कमी को दूर करने के लिये कब तक कार्यवाही की जायेगी और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ?

पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती मन्मथ बहुगुणा) : (क) वर्ष के प्रारम्भ में निर्माताओं के लिये 1978-79 के लिये 25 लाख टन नाइट्रोजन उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया था जो सयसो के प्रारम्भ होने की संशोधित तिथि, बिजली, कच्चे मान आदि की उपलब्धता की कठिनाई आदि को ध्यान में रखते हुए वर्ष के लिए अतः 22.5 लाख टन नाइट्रोजन उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित करने का प्रस्ताव है। अप्रैल, मई 1978 के दौरान नाइट्रोजन का उत्पादन 2.93 लाख टन था।

(ख) अप्रैल-मई, 1978 के दौरान नाइट्रोजन के उत्पादन में कमी का कारण दुर्गापुर, बिरीनी और कोबीन प्लांटों में दैनिक खराबी के कारण दैनिक अनुकरण की अवधि में वृद्धि हो जाना था। अनुकरण अवधि के दौरान किये गये परिवर्धन कार्यों से बाद में अच्छे निर्यादन की आशा है और यह भी आशा है कि वर्ष 1978-79 के लिये निर्धारित 22.5 लाख टन नाइट्रोजन उत्पादन का लक्ष्य प्राप्त हो जायेगा।

विधि कालेजों में प्रवेश के बारे में भारतीय वार परिसर्ग की समिति की सिफारिशें

2228. श्री छोज्जाई धामिल : क्या विधि, न्याय और कर्मचारी कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय वार परिसर्ग में कानूनी शिक्षा संबंधी अपनी समिति की

सिफारिशों को मान लिया है कि विधि कालेजों में प्रवेश के लिये अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के विद्यार्थियों को प्रको में पांच प्रतिशत की छूट दी जाये ;

(ख) यदि हा, तो क्या यह छूट अन्य शिक्षा संस्थाओं में ऐसे विद्यार्थियों को दी गई छूट के बराबर है, और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

विधि, न्याय और कर्मचारी कार्य मंत्री (श्री कान्ति जूषण) : (क) जी हा

(ख) और (ग). विभिन्न परिषद् के सकल्प में अनुसूचित जातियों के लिए सुरक्षित स्थानों के न भरे जाने की दशा में प्रको की प्रतिशतता में और ढील देने के प्रस्ताव की अपूर्ति नहीं है। यह विषय भारतीय विधि परिसर्ग की जानकारी में लाया गया था किन्तु इस परिषद् ने तारीख 6 अक्टूबर 7 मई, 1978 को हुई अपनी बैठक में यह निश्चय किया कि वह (परिसर्ग) अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों को विधि के पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रको की न्यूनतम प्रतिशतता में और ढील देने के पक्ष में नहीं है।

Proposal to attach two bogies for passengers travelling between Calcutta and Nawadha

2229 SHRI NATHUNI RAM: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

(a) whether there is any proposal/suggestion to attach two bogies for passengers travelling between Calcutta and Nawadha and Nawadha to Delhi;

(b) if so, what action has been taken to implement the above proposal; and

(c) how soon the passengers travelling between these points will get relief of long waiting and avoidable hardship?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) to (c) Two pairs of passenger trains are running between Kiul and Howrah/Sealdah via Nawadah. There is at present no traffic justification to introduce any slip coach between Nawadah and Delhi and between Nawadah and Calcutta. However, convenient connections have been maintained for travelling between Nawadah and Delhi and between Nawadah and Calcutta with a change over at Kiul or Gaya.

Reservation of Crude

2230 SHRI JANARDHANA POOJARY Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether Government have drawn any plan for 100 million tonnes of crude reserve, and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA) (a) and (b) An Indo-Soviet Joint Team had prepared a report in February 1976 on the prognostic assessment of reserves of oil and gas in the various sedimentary basins of India. Based on the recommendations contained in this report and the past experience, ONGC has drawn up a "Rolling Plan" for the period 1978-79 to 1982-83 which envisages establishment of about 105 million tonnes of recoverable reserves during the plan period.

The region-wise break-up is as follows.

(In million tonnes)

| Region | Recoverable reserves proposed to be established during 1978-79 to 1982-83. |
|--|--|
| <i>On-shore</i> | |
| Eastern Region | 35 |
| Western Region | 15 |
| Central Region | 05 |
| TOTAL (On-shore) | 55 |
| <i>Off-shore</i> | 50 |
| G. TOTAL (On-shore & Off-shore) | 105 million tonnes |

रेलगाड़ियों के लिये कोयले का सुरक्षित भंडार

2231. श्री गंगा कन्त सिंह : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार का विचार भविष्य में रेल-गाड़ियों को रद्द होने से रोकने के लिये कोयले का सुरक्षित भंडार बनाने का है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ध्यौरा क्या है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री लाल बारादखन) : कोयला क्षेत्रों से दूरी पर निर्भरता के कारण, प्रत्येक जैसीच रेलवे द्वारा कोयले का न्यूनतम स्टॉक रखा जाना निर्धारित किया गया है। इन्हें संलग्न विवरण में बताया गया है। सप्लाय की कमी के कारण रेलों पर कोयले का स्टॉक न्यूनतम निर्धारित स्तरों से बहुत अधिक नीचे धा गया है। जिसकी वजह से कुछ गाड़ी सेवाओं को रद्द